ASU NEWS-LETTER

Vol. 1 No. 3 September-October 2016

Allahabad State University
CPI Campus,
Mahatma Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad- 211001.
U.P. India.
Website:
www.alldstateuniversity.org

Administration

Prof. Rajendra Prasad
Vice Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph. (O) 0532- 2256206
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No.: +91- 8004915375
Ph (O): 0532- 2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sanjay Kumar
Registrar
Mobile No. +91-9415196266
Ph (O): 0532- 2256207
email: registrarasua@gmail.com

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

From Vice-Chancellor's Desk

In the "Knowledge Age", we are inclined to cherish the eternal message of Shrimad Bhagwad Geeta, which says: "न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते".

As declared by the Hon'ble U.P. Chief Minister Sri Akhilesh Yadav, it is to place on record that Allahabad State University (ASU), Allahabad was established under the Uttar Pradesh State Universities (Amendment) Act 2013 with the goal of providing higher education to the younger generation and making it a "world-class" multi-disciplinary institution, encompassing different branches of higher learning and research in the entire domain, range and scope of knowledge power.

It is especially noteworthy that, in exercise of the powers under sub-section (1A) of section 4 of the Uttar Pradesh State Universities Act 1973 (President's Act no. 10 of 1973) as amended and re-enacted by U.P. Act no. 29 of 1974, the Hon'ble Governor was pleased to appoint 17 June 2016 as the date on which Allahabad State University (ASU) had been made fully functional under its legal authority and framework. Accordingly, ASU's administrative and academic activities of the session 2016-17 are in full swing in its residential campus as well as in 546 affiliated colleges.

I extend a very warm welcome to all stakeholders-students, teachers and society-to join us in our endeavours for making Allahabad State University (ASU) a world-class multidisciplinary institution of quality higher education and, at the same time, fulfilling the professional needs of younger generation in the changing social, political and economic milieu, and facilitating to enrich themselves for the cause of universal human values.

(Rajendra Prasad)

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते॥ (7/2)

- श्रीमद्भगवद्गीता

सरस्वती हाईटेक सिटी में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण हेतु भूखंड का प्रथम आवंटन

बायें से दायें : कुलपति, इलाहाबाद राज्य वि.वि. प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, चेयरमैन यू.पी.एस.आई.डी.सी. श्री आलोक रंजन, एम.डी., यू.पी.एस.आई.डी.सी. श्री अमित घोष प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान।

यू0पी0 एस0आई0डी0सी0 ने इलाहाबाद के नैनी में बन रही सरस्वती हाईटेक सिटी में एलॉटमेंट शुरू कर दिया है। संगम सिटी के पास शहर से 12 किमी दूर यमुना नदी के किनारे बन रही हाईटेक सिटी को इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल सिटी के रूप यू.पी. एस.आई.डी.सी. डेवलप कर रहा है। राजधानी लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यूपीएसआईडीसी के चेयरमैन आलोक रंजन ने बताया कि योजना में उद्यमियों और अन्य आवंटियों को वर्ल्ड क्लास अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। यू. पी.एस.आई.डी.सी. के एम0डी0 अमित घोष ने बताया कि पहले फेज में 1500 आवासीय भूखंड का विज्ञापन जारी हो चुका है, जहाँ पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को 112 एकड़ भूमि प्रथम आवंटी के रूप में देने के लिए चेयरमैन ने घोषणा की। इस प्रेस कांफ्रेंस में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद प्रथम आवंटी के रूप में मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षिक सत्र 2016–17 में नव प्रवेशित छात्रों का पठन–पाठन प्रारम्भ

17 जून 2016 को नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के प्रयास को साकार करते हुए परास्नातक स्तर पर चिन्हित विषयों में एम0ए0/एम0काम0 पाठ्यक्रम का ससमय संचालन किए जाने हेतु छात्र–छात्राओं की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 30 छात्रों को प्रवेश दिए गए। प्रवेश की कार्यवाही निर्धारित समयान्तर्गत पूरी करते हुए छात्रों को पठ्न–पाठन हेतु सी0पी0आई0 परिसर स्थित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक परिसर में व्यवस्था की गयी है।

परास्नातक स्तर पर पठन–पाठन प्रारम्भ किए जाने से पूर्व नवप्रवेशित छात्रों को दीक्षारम्भ के उद्देश्य से 28 सितम्बर को परिसर स्थित प्रेक्षागृह में कुलपति प्रो0 प्रसाद द्वारा उद्बोधन दिया गया। छात्र–छात्राओं के लिए उद्बोधन में उनके द्वारा इस बात पर भी विशेष बल दिया गया कि नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय के प्रथम विद्यार्थी का गौरव प्राप्त होगा तथा उनके आचरण एवं उपलब्धियों से ही विश्वविद्यालय देश–विदेश में ख्याति प्राप्त कर सकेगा। प्रो0 प्रसाद ने समस्त नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का आह्वान करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में प्रयासरत होने की अपेक्षा की।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं जीवन में आगे बढ़ने के लिए जिज्ञासु बनना आवश्यक

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद उद्‌बोधन देते हुए

सत्र 2016–17 में परास्नातक कक्षाओं में नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने संबोधित किया। उन्होने छात्र–छात्राओं से कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो अनुशासन, परिश्रम को बरकरार रखते हुए सतत जिज्ञासु बने रहना होगा। छात्रों की अलग सोच ही उन्हें बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है। उन्होने बताया कि छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा देना मेरी प्राथमिकता है। बताया कि छात्रों की सीपीआई परिसर में 30 सितंबर 2016 से नियमित रूप से संचालन होगा। इस अवसर पर कुलसचिव, उपकुलसचिव एवं शिक्षकगण मौजूद रहे।

प्रोफेशनल कोर्स से समृद्ध होगा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में परंपरागत कोर्स के अतिरिक्त बड़ी संख्या में प्रोफेशनल कार्यक्रमों को समाहित किया जाएगा। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि विवि का मुख्य परिसर बनने के साथ ही इसमें शैक्षिक गतिविधियां विस्तार पाएंगी। विश्वविद्यालय में विभिन्न स्कूल समाहित होंगे। इसमें नर्सिंग, सिनेमा एवं नाट्य अध्ययन, प्रोफेशनल उर्दू, फिजियोथिरेपी, टेक्सटाइल, फारेंसिक साइंस, डिजास्टर मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद, यूनानी, एग्रीकल्चर आदि अनेक कोर्सेज एवं प्रोग्राम संचालित होंगे। कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि वर्ग से छात्रों के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। इन कोर्सेज की खास बात यह होगी कि वर्तमान में बढ़ रही रोजगार आवश्यकताओं को देखते हुए इन्हें तैयार किया जाएगा। सरस्वती हाईटेक सिटी में प्रस्तावित विवि के मुख्य परिसर के बनते ही वहां पर शैक्षिक गतिविधियां भी विस्तार लेंगी।

आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास

वर्तमान सत्र में पीजी स्तर समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और हिंदी सहित पर जो भी कोर्स संचालित हो रहे हैं उनमें व्यक्तित्व विकास एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण को भी जोड़ दिया गया है। ताकि छात्र एमए, एम0 कॉम की डिग्री जब प्राप्त करें तो उनके सामने स्वरोजगार की समस्या न हो। छात्र टीचिंग के अतिरिक्त विभिन्न प्रोफेशनल पदों पर पूरे आत्मविश्वास के साथ काम कर सकें।

ik0 jktn ilkn
dyifr]

उच्च शैक्षिक स्तर की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयास

विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों के पठन–पाठन हेतु राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों से सेवानिवृत्त एवं अनुभवी शिक्षकों से पठ्न–पाठन का कार्य कराया जा रहा है। सेवानिवृत्त शिक्षकों की तैनाती हेतु विधिवत राज्य सरकार से अनुमति प्राप्त करते हुए यू0जी0सी0 के दिशा–निर्देश के अनुरूप उन्हें सत्र 2016 हेतु नियोजित किया गया। विश्वविद्यालय से अवकाश प्राप्त शिक्षकों द्वारा कराये जा रहे शिक्षण कार्य के दौरान प्रवेशित छात्रों की उल्लेखनीय उपस्थिति परिलक्षित हो रही है।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के सम्बन्ध में कार्यवाही

अपने प्रथम शैक्षिक सत्र में ही पठ्न–पाठन का कार्य प्रारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समस्त प्रवेशित छात्र–छात्राओं को जो शासनादेश के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के छात्रों के रूप में प्रदेश सरकार से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति पाने हेतु अर्ह हैं, उन्हें उक्त हेतु ऑनलाइन आवेदन करने हेतु समाज कल्याण निदेशालय एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण की गई।

शासन द्वारा स्वीकृत शैक्षिक पदों के सापेक्ष विज्ञापन

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY, ALLAHABAD, U.P.

Adv. No.: ASUA/R.O./131/2016 Date: 22.10.2016

ADVERTISEMENT FOR TEACHING POST

Applications on prescribed format are invited from eligible candidates as per statutes & U.G.C. regulation 2016 for vacant teaching posts of various teaching centres/departments of the University Campus. Duly filled application form should reach the Registrar of the University through Registered/Speed post only upto 21-11-2016. The prescribed Application Form, qualifications and other details are available on University website www.alldstateuniversity.org. **(Registrar)**

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम वित्त अधिकारी के रूप में श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यभार सँभाला

उ0प्र0 वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के प्रथम वित्त अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री त्रिपाठी ने दिनांक 09–09–2016 को पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया और राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के माननीय कुलपति एवं जाने–माने शिक्षाविद् प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के कुशल नेतृत्व, संरक्षण एवं मार्गदर्शन में अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु कृत संकल्प हैं। इसके पूर्व श्री त्रिपाठी इलाहाबाद में ही उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के वित्त अधिकारी के पद पर तैनात थे। श्री त्रिपाठी वित्त एवं लेखा सेवा में 1986 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं तथा इनको उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में वित्त अधिकारी के साथ–साथ कुलसचिव का भी दायित्व सौंपा गया था। श्री त्रिपाठी को वित्त अधिकारी/कुलसचिव के रूप में योगदान देने के कारण उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा विश्वविद्यालय का अति विशिष्ट उत्कृष्टता पुरस्कार 2016 भी प्रदान किया जा चुका है।

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए पीपीपी मॉडल बेहतर : प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

देश में मानव संसाधन के संतुलित विकास के लिए वर्तमान में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का सहारा लिया जा सकता है। उदारीकरण–वैश्वीकरण के सामंजस्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें इस पर विचार करना चाहिए। यह सवाल आज सर्वाधिक अहम है कि शैक्षिक संस्थानों से निकलने वाले छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए किस तरह के प्रयोग हों, जिससे वे जब कैंपस से निकलें तो उनके लिए रोजगार के साधन और अवसर उपलब्ध रहें। मुझे लगता है कि मौजूदा ढांचे की कमियां दूर कर और गुणवत्तायुक्त शिक्षा से यह संभव हो पाएगा। वर्तमान में उच्च शिक्षा की दशा–दिशा में गुणवत्ता की कमी है। कदम–कदम पर चुनौतियां नजर आती हैं। इसका समाधान समग्र नीति–निर्माण से ही संभव है, उसे यथाशीघ्र बनाकर समस्याओं को सुलझाना चाहिए। इसके लिए केन्द्र व राज्य सरकारों में आपसी सामंजस्य बेहतर करना होगा।

विश्वविद्यालय के साथ डिग्री कालेजों में भी उत्कृष्ट शिक्षा

उच्च शिक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने एवं हर वर्ग को शिक्षित करने के उद्देश्य से इलाहाबाद राज्य विश्वद्यिालय (एएसयू) की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए प्रवेश से लेकर सारी तैयारियाँ शुरू कर चुका है। विश्वविद्यालय परिसर की शिक्षा के साथ, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व कौशाम्बी में स्थित उससे संबद्ध डिग्री कालेजों में भी बेहतर पठन–पाठन का खाका तैयार हुआ है। यहां बेहतर शिक्षा के लिए कई योजनाएं भी बनाई गई है। राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कालेज अभी तक कानपुर और अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। इनमें से अधिकतर में शैक्षिक माहौल ठीक नहीं है। उसे सुधारना चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए कालेजों की कार्यप्रणाली ऑनलाइन की जा रही है। सभी को शैक्षिक संसाधन पूरे करने साथ ही सीसीटीवी और शिक्षकों और कर्मचारियों की हाजिरी के लिए बायोमेट्रिक मशीन लगाने को कहा है। कालेजों के सभी कार्य पारदर्शी और ऑनलाइन होंगे। मानक पूरे न होने और नकल कराने वाले संस्थानों की मान्यता रद्द की जा सकती है।

उच्च शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) द्वारा आयोजित कार्यशाला

22 सितम्बर 2016 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए "Capacity Building for Vice-Chancellors of U.P. State Universities" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन उ0प्र0 उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मा0 श्री एस0पी0 शुक्ला ने किया। इस कार्यशाला में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री जितेन्द्र कुमार, डा0 आर0पी0एस0 यादव, डा0 आलोक श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

इस कार्यशाला में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सहभागिता की और तकनीकी सत्र में आयोजित विमर्श में योगदान दिया। इस अवसर पर उन्हें प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शनिवार (दिनांक 22 सितम्बर, 2016) को युवा निवेशकों के लिए वित्तीय शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य विश्वविद्यालय एवं भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा निवेशकों को व्यापक पैमाने पर रोजगार बढ़ाने तथा तकनीक की जानकारी दी गई।

सी0पी0ई0 परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सेबी के वाणिज्यिक प्रशिक्षक निखिल यादव ने युवा निवेशकों के लिए शिक्षा एवं प्रशिक्षण के गुर साझा किया। कहा कि सरकार द्वारा सीमित संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए निजी शिक्षा/प्रशिक्षण प्रदायकर्ताओं के अनुभव एवं क्षमताओं का लाभ लेने की दृष्टि से तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास में निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जा

सकता है। कौशल विकास के अवसरों में तीव्र वृद्धि एवं पहुँच तथा दायरे में विस्तार के लिए निजी निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। दैनिक जागरण के स्थानीय संवाददाता से अपनी वार्ता में कुलपति प्रो0 राजेंद्र प्रसाद का कहना था कि प्रदेश के युवा आर्थिक विकास में हो रही प्रगति के कारण उपलब्ध अवसरों का लाभ उठा सकें, इसलिए भी प्रशिक्षण के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। कहा कि विश्वविद्यालय में इसके लिए अनेक प्रयास किये जायेंगे। विश्वविद्यालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में प्रतिभागियों को बताया गया। कार्यक्रम में विवि के एम0ए0 एवं एम0कॉम के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर राज्यविश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी, कुलसचिव और शिक्षणगण उपस्थित थे। कार्यशाला संयोजक के रूप में प्रो0 जे0एन0 मिश्र ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु SEBI के अधिकृत प्रवक्ता द्वारा इस कार्यक्रम में छात्रों को आर्थिक अनुशासन के साथ–साथ सामान्य बैंकिंग एवं वित्तीय दिशा–निर्देशों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम को छात्रों द्वारा भरपूर सराहा गया।

विश्वविद्यालय का वृहद कार्यक्षेत्र

उत्तर प्रदेश शासन की विशेष अनुमति जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय को विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार स्थित महाविद्यालयों के सम्बद्धता सम्बन्धी प्रकरण लम्बित थे, को ससमय निस्तारित किया गया। जिसके कारण अब 546 महाविद्यालयों को सम्बद्ध करते हुए यह राज्य विश्वविद्यालय अपने वृहद रूप को प्राप्त कर चुका है।

विविध अकादमिक गतिविधियाँ

इलाहाबाद, गद्दोपुर स्थित बी0बी0एस0 इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी कालेज में बी0टेक एवं एम0बी0ए0 के छात्रों ने विद्यालय परिसर में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात छात्रों ने समारोह में उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर प्रथम व कि छात्र एवं छात्राओं द्वारा एकल एवं सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद के राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने छात्रों से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा ग्रहण करने की बात कही। कार्यक्रम की समाप्ति पर संस्थान के उपाध्यक्ष दिलीप सिंह ने उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच पर मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि प्रो0 एम0एन0 सिंह एवं अन्य

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 4 सितम्बर, 2016 को कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा प्रदत्त व्याख्यान तथा इलाहाबाद संग्रहालय में सम्मानित गुरुजन

आज की युवा पीढ़ी सूचनाओं को ही ज्ञान का आधार मान चुकी है। इसके चलते तकनीकी विकास के समकालीन युग में अपनी परंपरा एवं मूल्यों को संजोए रखना चिंतनीय है। शिक्षक दिवस से एक दिन पूर्व इलाहाबाद संग्रहालय में आयोजित शिक्षक सम्मान एवं 'भारतीय संस्कृति में गुरु–शिष्य परंपरा' विषयक व्याख्यान में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बतौर मुख्य अतिथि यह बातें कही। कहा कि ज्ञान और तकनीक का समन्वय किसी भी पंरपरा, संस्कृति एवं मूल्य को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 प्रसाद व संग्रहालय के निदेशक श्री राजेश पुरोहित ने संयुक्त रूप से रंग कर्मी श्री शैलेश श्रीवास्तव एवं अनिल रंजन भौमिक को शिक्षक सम्मान प्रदान किया।

रंगकर्मी शैलेश श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा प्रयास रंगकर्म के माध्यम से सांस्कृतिक चेतना को जगाए रखना हैं। रंगकर्मी अनिल रंजन भौमिक ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी प्रतिभा के माध्यम से भले ही चाहे जिस मुकाम हो हासिल कर ले, किंतु हमारे रंगकर्म से जुड़े विद्यार्थी रंगकर्म के माध्यम से एक अच्छा इसान अवश्य बनकर निकलेंगे। संग्रहालय के निदेशक राजेश पुरोहित ने कहा कि शिक्षक दिवस एक पुनीत अवसर हैं, जो हमारी भारतीय संस्कृति में गुरु–शिष्य को जोड़ने का माध्यम है।

हिंदी दिवस, 5 सितम्बर 2016 के अवसर पर व्याख्यान एवं कवि सम्मेलन सुखद है हिंदी भाषा का बहुमुखी विकास : कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर शंभूनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की ओर से हिंदी के सतत विकास पर संगोष्ठी और कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि हिंदी का इतिहास बहुत पुराना है और हिन्दी ने अपना बहुमुखी विकास किया है, जो इस भाषा के लिए सुखद है। अध्यक्षता कर रहे कवि सुधांशु उपाध्याय ने कहा कि हिन्दी ने पूरी दुनिया में अपना दबदबा कायम किया है। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में प्रीता बाजपेयी, गीतकार शैलेन्द्र मधुर, कवि सुधांशु उपाध्याय, डॉ0 ध्रुवेंद्र भदौरिया, जावेद शोहरत, अमित जौनपुरी, डॉ. नायाब बलियावी, विनय शर्मा बागी, राधेश्याम भारती, डॉ. आभा श्रीवास्तव आदि ने अपनी रचनाएं सुनायीं।

शम्भूनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की ओर से कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का माल्यार्पण कर सम्मान

हिन्दी पखवाड़ा के तत्वाधान में आयोजित विचार संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का व्याख्यान

हिन्दी में दक्षता से रोजगार मिलने की संभावना दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। टेक्नालॉजी के साथ हिन्दी भाषा का प्रयोग आसानी से किया जा सकता है, इस कारण हिन्दी क्षेत्र में रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ती जा रही है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित हिन्दी पखवाड़े में बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहीं। प्रो0 प्रसाद ने कहा कि यह युग तरक्कियों का युग है। हर क्षेत्र में टेक्नालॉजी का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। हिन्दी को गरिमा प्रदान करने के लिए अन्य भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जाना चाहिए। इससे देश मजबूत होगा और हिन्दी गौरवान्वित होगी। भूमण्डलीकरण के युग में बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी के महत्व को समझ रही हैं। जापान, कोरिया, चीन आदि देशों में हिन्दी सीखने का क्रेज बढ़ा है। सोशल साइट ने हिन्दी के प्रचार–प्रसार को बढ़ा दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का सम्मान (अपराह्न, 6 अक्टूबर 2016)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का उनके पूर्व विभागीय सहयोगियों एवं दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अशोक कुमार द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सभागार में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और शोध छात्र उपस्थित थे।

डी.ए.वी. कालेज, कानपुर के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''गंगा प्रदूषण: विष्लेषण एवं उपचार'' विषयक संगोष्ठी, 7 अक्टूबर 2016

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, द्वारा आयोजित तथा इंडियन कौसिंल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''भारत की विदेशनीतिः नेपाल–भारत के संबन्धों के संदर्भ में'' विषयक राष्ट्रीय सगोष्ठी (दिनांक 6 अक्टूबर 2016) के उद्घाटन सत्र में की कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अध्यक्षता की और इस बात को रेखांकित किया कि बदलते परिदृय में भारतीय विदेशनीति–निर्धारण के दौरान पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के ऐतिहासिक एवं भू–सामरिक महत्व को नजर–अंदाज नहीं किया जा सकता। इस संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में पूर्व राजनायिक श्री अचल कुमार मल्होत्रा और गोरखा रिक्रूटमेंट डिपो (जी0आर0डी0) के कमांडेन्ट ब्रिगेडियर एम0के0 संगोक ने शिरकत की।

नई तकनीक से ही विकास सम्भव डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

यूनाइटेड इंजीनियरिंग कालेज और एशियाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बैंकाक की ओर से 'नियंत्रण कम्प्यूटिंग संचार और सामग्री' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। सेमिनार का उद्घाटन राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) राजेन्द्र प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन के जरिए टेक्नोक्रेट और उद्यमिता जगत के लोगों को कई नई तकनीक सीखने का अवसर प्राप्त होता है। सेमिनार में डा0 ए.के. त्रिपाठी, डा0 लुइस होरने, डा0 प्रभाकर तिवारी, डा0 नितिन कुमार त्रिपाठी आदि युवा प्रतिभागी मौजूद थे।

'टाउन एण्ड गाउन' की उत्कृष्ट परम्परा का सर्जक इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद शहर की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और पूर्ण सरोकार रखने हेतु कृत – संकल्पित है। इसलिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद शहर की ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में अग्रणी भूमिका हेतु प्रस्तुत रहते हैं। टैगौर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित एक ऐसे कार्यक्रम का दृश्य।

यहां विभिन्न भक्तिमय, मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की श्रंखला में छात्र-छात्राओं की छिपी प्रतिभा सामने आई। हम बात कर रहे हैं टैगोर पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव 'उन्नयन' का। प्रतिभागियों की महीनों की मेहनत जब मंच पर उतरी तो दर्शक दीर्घा में मौजूद सभी खासो आम भावविभोर हो उठा।

शिवस्तुति से भक्तिमय हुआ माहौल

सिटी इवेंट

जागरण कुलपति फोरम

शिक्षाविदों का समागम

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के वर्तमान और भविष्य पर सार्थक चर्चा करने के लिए लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिनांक 27 सितम्बर 2016 को **शिक्षाविदों का समागम** हुआ। शिक्षा से सफलता के सूत्र गढ़ने के उद्देश्य से आयोजित जागरण कुलपति फोरम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्यपाल राम नाईक के साथ प्रदेश के केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण उपस्थित रहे।

जागरण फोरम के निष्कर्ष गंभीर

राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि दैनिक जागरण द्वारा आयोजित कुलपति फोरम में एक मंच पर गंभीर चर्चा हुई। उच्च शिक्षा परीक्षा व परीक्षण के दौर से गुजर रही है। ज्ञान–विज्ञान के सृजन एवं विस्तार को नितांत आवश्यकता है। नवाचार व शोध के क्षेत्र में युवा विद्यार्थियों को बेहतर मौका मिले और अच्छे शोध हो इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। समस्त उच्च शिक्षण संस्थान समावेशी विकास के मार्ग पर चलें और बेहतर युवा मानव संसाधन विकसित करने पर जोर दें। विश्वविद्यालयों को अधिक से अधिक स्वायत्ता मिलनी चाहिए ताकि वह और बेहतर ढंग से काम करें। सूचना एवं प्रौद्योगिकी का प्रयोग शिक्षा में होना चाहिए।

कुलपति सम्बोधन, 2 अक्टूबर 2016

श्रमदान 2 अक्टूबर, 2016

'मानवाधिकारः नये आयाम एवं चुनौतियॉ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (23 अक्टूबर 2016) में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का अध्यक्षीय सम्बोधन

राष्ट्रीय सेमिनारः मानवाधिकारः नये आयाम एवं चुनौतियाँ, दिनांक 23 अक्टूबर, 2016, उद्घाटन सत्र इलाहाबाद संग्रहालय में मंच पर अध्यक्षता करते प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, प्रो0 एच0के0 शर्मा (मुख्य वक्ता) एवं अन्य

संगोष्ठी के अवसर पर पुस्तक विमोचन करते प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, प्रो0 रामहित त्रिपाठी, प्रो0 एच0के0 शर्मा एवं अन्य

NATIONAL SEMINAR
Human Rights : New Dimensions & Challenges

NATIONAL SEMINAR

NATIONAL SEMINAR

पूर्व राष्ट्रपति डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती
एवं
शिक्षक सम्मान समारोह
मुख्य अतिथि- डा0
प्रसाद
कुलपति
5 सितम्बर, 2016
आयोजकः सृजन शिक्षा

26th October 2016
Sponsored by
NEW DELHI
Organized by

परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित कमेटी की आठ सिफारिशों को मंजूरी

परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी लगेंगे

[illegible]

ये फैसले भी हुए

- शिक्षकों और कर्मचारियों की खाली पद भरे जाने पर सहमति
- उत्तरपुस्तिका जांचने के लिए रेट बढ़ाने का निर्णय
- विश्वविद्यालयों में नकल बंद कराई जाए और समय से रिजल्ट निकले
- छात्रों से 15 नवंबर तक विवि में स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनेगा

[illegible]

सीसीटीवी की निगरानी में होंगे राज्य विवि के परीक्षा व मूल्यांकन केन्द्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।

विश्वविद्यालयों की परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार के लिए कुलपतियों की बैठक

सभी विवि 1 नवम्बर से मनाएंगे स्वच्छता पखवाड़ा

[illegible]

अच्छे रिजल्ट को उठाए प्रभावी कदम : राज्यपाल

- राज्यपाल ने ली सभी स्टेट यूनिवर्सिटी के वीसी की बैठक
- नकल विहीन व समय से परीक्षा परिणाम घोषित करने पर दिया जोर

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Oct): [illegible]

मूल्यांकन पर दें ध्यान

[illegible]

वीसी में बनी सहमति

[illegible]

राज्यपाल को सौंपेंगे रिपोर्ट

[illegible]

राज्यपाल बोले उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का काम ठीक से नहीं हो रहा है

[illegible]

हिन्दी में बेहतरीन काम करने पर मिला पुरस्कार

रोजगार की भाषा बन रही है हिन्दी: प्रो राजेंद्र

[illegible]

प्रोफेशनल कोर्स से समृद्ध होगा इलाहाबाद राज्य विवि

●स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में संचालित होंगे सौ से अधिक पाठ्यक्रम ●मुख्यमंत्री अगले 20 दिनों में कर सकते हैं शिलान्यास

जासं, इलाहाबाद

[illegible]

आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास

[illegible]

-डॉ. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विवि।

[illegible]

सेमिनार में मौजूद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राजेंद्र प्रसाद व अन्य।

नई तकनीक से ही विकास संभव: डा. राजेंद्र प्रसाद

जासं, इलाहाबाद : [illegible]

अधिकार पाने को भय और हिचक छोड़ें महिलाएं

सेमिनार में बोलते इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद।

• आर्यकन्या डिग्री कालेज में 'महिलाओं के अधिकार' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जासं, इलाहाबाद : [illegible]

जीवन में आगे बढ़ने के लिए जिज्ञासु बनना आवश्यक : कुलपति

[illegible]

राज्य विश्वविद्यालय में पीजी काउंसिलिंग का खाका तैयार

- 29 व 30 को प्रशासनिक भवन में होगी काउंसिलिंग
- प्रवेश की जानकारी विवि की वेबसाइट व प्रशासनिक भवन में उपलब्ध

जासं, इलाहाबाद : [illegible]

हिंदी ने किया अपना बहुमुखी विकास

अतिथियों का स्वागत करते संस्था के पदाधिकारी।

जासं, इलाहाबाद : [illegible]

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfil the skill developmnent and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalisation.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad Sate University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.